मूल्य 1 रु.
वर्षः 12 - अंक : 200, मुंबई, शनिवार, 17 सितंबर, 2022 ■ RNI.NO. MAHHIN/2010/34146 ■ संपादकः दिलशाद एस. खान

दैनिक
मुंबई हलचल
भारत सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त ®
अब हर सच होगा उजागर

मुंबई, ठाणे और कल्याण में लगातार बारिश

मूसलाधार बारिश का अलर्ट

मुंबई। जाते-जाते मॉनसून ने एक बार फिर मुंबई को सराबोर कर दिया है। मुंबई और आस-पास के इलाकों में शुक्रवार सुबह से बारिश जारी है। कई इलाकों में जलभराव देखा गया जिस वजह से ट्रैफिक भी धीमा रही। मौसम विभाग के अनुसार, अगले 24 से 48 घंटे तक भारी बारिश हो सकती है। साथ ही यह सीजन की आखिरी बारिश का दौर हो सकता है। मुंबई के अलावा ठाणे, कल्याण, नवी मुंबई, डोंबिवली और अंबरनाथ में सुबह से बारिश हो रही है। **(शेष पृष्ठ 3 पर)**

21 लाख से अधिक राशन कार्ड हुए रद्द

...नहीं मिलेगा सरकारी अनाज

मुंबई हलचल / संवाददाता

मुंबई। भारत में राशन कार्ड धारकों के लिए बड़ी खबर सामने आ रही है। पछिले दिनों में सरकार ने राशन कार्ड धारकों के खलिाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए करीब ढाई करोड़ राशन कार्ड रद्द कर दिए हैं। इस बारे में सरकार की तरफ से जानकारी दी गई है। केंद्रीय राज्यमंत्री द्वारा दी गई जानकारी में बताया गया कि भारत में साल 2017 से 2021 तक पांच साल के दौरान जाली, डुप्लीकेट और अपात्र करीब 2 करोड़ 41 लाख राशन कार्ड रद्द किए गए हैं, उन्होंने यह भी बताया कि सिर्फ बिहार में ही 7.10 लाख राशन कार्ड रद्द हुए हैं। इस लिस्ट में सबसे आगे उत्तर प्रदेश है। यूपी में सबसे ज्यादा 1.42 करोड़ राशन कार्ड को रद्द किया गया है। इसके बाद इस लिस्ट में महाराष्ट्र है। **(शेष पृष्ठ 3 पर)**

केंद्र सरकार की ओर से यह डाटा ग्राउंड वेरिफिकेशन के लिए राज्यों के पास भेजा गया है

आदित्य ठाकरे बोले-एकनाथ सरकार की वजह से गई 1.7 लाख नौकरियां

अघाड़ी सरकार की अहम थी दोनों परियोजना

मुंबई हलचल / संवाददाता

मुंबई। गुजरात में सेमीकंडक्टर प्लांट लगाने को लेकर राजनीति गरमाई हुई है। महाराष्ट्र मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के बाद विपक्ष के निशाने पर उद्योग मंत्री उदय सामंत भी आ गए है। शिवसेना नेता और पूर्व मंत्री आदित्य ठाकरे ने उद्योग मंत्री पर दो परियोजनाओं को गंवाने का आरोप लगाया है। **(शेष पृष्ठ 3 पर)**

आबकारी नीति को लेकर ईडी की बड़ी कार्रवाई

देशभर के 40 ठिकानों पर मारा छापा

नई दिल्ली। दिल्ली की आबकारी नीति मामले में प्रवर्तन निदेशालय ने शुक्रवार को बड़ी कार्रवाई की है। जानकारी के मुताबिक, ईडी की टीम ने देशभर के 40 ठिकानों पर छापा मारा है। ये छापे आंध्र प्रदेश के नेल्लोर, कर्नाटक, तमिलनाडु और दिल्ली-एनसीआर के शराब व्यवसायियों, वितरकों और आपूर्ति श्रृंखला नेटवर्क से जुड़े परिसरों पर मारे गए हैं। **(शेष पृष्ठ 3 पर)**

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

हमारी बात

आरक्षण पर बहस

आरक्षण पर देश की सर्वोच्च अदालत में उपयोगी बहस स्वागतयोग्य है। आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग को मिलने वाले आरक्षण को गंभीर चुनौती दी गई है और इस पर सर्वोच्च न्यायालय का रुख मानीखेज है। सुनवाई के दौरान संविधान पीठ ने यह इशारा किया है कि किसी वर्ग तक सरकारी नीतियों का लाभ पहुंचाने के लिए आर्थिक आधार पर नियम तय करने को प्रतिबंधित नहीं किया गया है। आर्थिक आधार पर आरक्षण को चुनौती देने वालों की दलील है कि संविधान में ऐसे आरक्षण का प्रावधान नहीं है, यह केवल जाति के आधार पर ही दिया जा सकता है। आरक्षण की शुरूआत सामाजिक भेदभाव मिटाने के लिए हुई थी, यह कोई गरीबी हटाओ कार्यक्रम नहीं था। हालांकि, आरक्षण से भी जहां एक ओर, सामाजिक भेदभाव पूरी तरह खत्म नहीं हुआ है, पर इससे एक बड़ी आबादी की गरीबी जरूर दूर हुई दिखती है। क्रीमी लेयर की भी चर्चा होती रही है, लेकिन सामाजिक भेदभाव या जातिभेद अभी पूरी तरह समाप्त नहीं हुआ है। आर्थिक आधार पर आरक्षण रहेगा या नहीं, यह सर्वोच्च न्यायालय को तय करना है, लेकिन दुनिया में अनेक देशों में गरीब वर्गों को आगे लाने के उपाय होते रहे हैं, भारत में भी लगातार आजमाए जा रहे हैं। गरीबी के आधार पर दिए जा रहे आरक्षण को यदि निशाने पर लिया गया है, तो जाहिर है, मामला अति महत्वपूर्ण हो गया है और सुनवाई प्रधान न्यायाधीश यूयू ललित की अध्यक्षता वाली पांच सदस्यीय संविधान पीठ कर रही है। संविधान पीठ को अहम फैसला करना है। उसके आधार पर शायद आरक्षण के नियम-कायदों में विधायी बदलाव की भी जरूरत पड़ेगी। संविधान में संशोधन की जरूरत पडेगी, ताकि आर्थिक आधार पर आरक्षण को ज्यादा व्यवस्थित किया जा सके। अभी हर राज्य अपने-अपने हिसाब से ऐसे आरक्षण की व्यवस्था कर रहा है, यहां पूरे देश में एकरूपता जरूरी है। इधर, बीच-बीच में संविधान पीठ की ओर से जो टिप्पणियां आ रही हैं, उन्हें आतुर भाव से सुना जा रहा है। सुनवाई के दौरान संविधान पीठ ने कहा है, सरकार आर्थिक मानदंडों के आधार पर नीतियां बनाती है, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि ऐसी नीतियों का लाभ लोगों तक पहुंचे। आर्थिक मानदंड एक सही आधार है और वर्गीकरण के लिए एक सही तरीका है। यह प्रतिबंधित नहीं है। वैसे एक अन्य आधार पर भी इस आरक्षण का विरोध हो रहा है। यह सही सवाल उठाया गया है कि यदि ओबीसी, एससी और एसटी की आबादी 85 फीसदी है और उन्हें करीब 50 फीसदी आरक्षण दिया जा रहा है, जबकि पांच फीसदी ईडब्ल्यूएस को 10 फीसदी आरक्षण मिलेगा? यह आपत्ति बहस की एक जायज वजह है। यदि बिल्कुल सही अनुपात में आरक्षण की व्यवस्था हो और सभी जरूरतमंद इससे तत्काल लाभान्वित होने लगें, तो आरक्षण के किसी भी विस्तार को जायज करार दिया जा सकता है। इस मामले में एक और पहलू महत्वपूर्ण है। आरक्षण पर लागू 50 प्रतिशत की सीमा के प्रति अदालतों को अब लचीला रुख अपनाना होगा। जहां ज्यादा आरक्षण की जरूरत है, वहां 50 प्रतिशत की सीमा को लांघकर गरीबों-पिछड़ों तक पहुंचना जरूरी है। साथ ही, ओबीसी, एससी और एसटी का जो आरक्षण पर प्राथमिक अधिकार है, उसमें कटौती नहीं होनी चाहिए। आरक्षण के लिए तेज होते संघर्ष में यह नहीं भूलना चाहिए कि इसका लक्ष्य अंततः समावेशी विकास के जरिये समाज में समानता लाना है।

दलबदल है भाजपा का राजनीतिक हथियार !

भाजपा के अलावा दूसरी पार्टियां यह काम सांस्थायिक रूप से नहीं करती हैं। ऐसा नहीं है कि कांग्रेस छत्तीसगढ़ में भाजपा को तोड़ने का प्रयास कर रही है या जेएमएम और कांग्रेस मिल कर झारखंड में विपक्षी विधायकों को तोड़ रहे हैं। विपक्ष की पार्टियां इस तरह का काम नहीं कर रही हैं। इस तरह के काम पर भाजपा का एकाधिकार है। उसने राजनीतिक मैसेजिंग के लिए और विपक्षी पार्टियों को उनकी हैसियत दिखाने के लिए इसे एक हथियार बना लिया है। मीडिया और सोशल मीडिया में भी इसका नैरेटिव बनवा कर यह स्थापित किया गया है कि भाजपा या अमित शाह जिस पार्टी में चाहें उसमें तोड़-फोड़ करा सकते हैं।

पार्टियां पहले भी टूटती थीं। सांसद, विधायक, पार्षद या पार्टियों के पदाधिकारी दलबदल पहले भी करते थे। लेकिन आजाद भारत के 75 साल के इतिहास में कभी भी यह काम संस्थागत तरीके से नहीं हुआ था। यह सहज, स्वाभाविक तरीके से होता था। किसी जमाने में सैद्धांतिक व वैचारिक टकराव की वजह से नेता पार्टी छोड़ते थे। बाद में निजी हितों की रक्षा के लिए नेता पार्टी छोड़ने लगे। फिर एक समय आया, जब सरकार बनाने या बचाने के लिए पार्टियां टूटने लगीं या उनको तोड़ा जाने लगा। इसमें लगभग सभी पार्टियां शामिल थीं। परंतु अब यह राजनीति उससे आगे बढ़ गई है। अब पार्टियों और विधायकों-सांसदों का टूटना सांस्थायिक हो गया है और इस पर एक पार्टी का एकाधिकार हो गया है। अब सिर्फ भारतीय जनता पार्टी ही किसी दूसरी पार्टी को तोड़ सकती है या दूसरी पार्टी के नेताओं से दलबदल करा सकती है। अगर कहीं कोई दूसरी पार्टी ऐसा काम करती है तो वह अपवाद की तरह है।

अगर चुनाव के समय होने वाले दलबदल को अलग रखें तो अब तक राजनीति में जो दलबदल होता था उसका मुख्य मकसद सरकार बनाना या सरकार गिराना होता था। भाजपा ने भी अपनी सत्ता के शुरूआती दिनों में या देश को विपक्ष से मुक्त करने के अपने अभियान के पहले चरण में ऐसा ही किया। अरुणाचल प्रदेश से लेकर मणिपुर और कर्नाटक से लेकर मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र आदि राज्यों में सरकार बनाने के लिए दलबदल कराया गया। भाजपा ने कांग्रेस को तोड़ कर अपनी सरकार बनाई। गोवा में भी पिछले चुनाव में यानी 2017 के चुनाव में जो किया वह सिर्फ अपनी सरकार बनाने के लिए था। चुनाव में उसको बहुमत नहीं मिला था और उसने इधर उधर से विधायक जुटा कर और फिर कांग्रेस तोड़ कर अपनी सरकार बनाई। लेकिन इस बार गोवा में कांग्रेस पार्टी टूटी है तो उसका मकसद सरकार बनाना नहीं था। क्योंकि भाजपा पहले से सरकार में थी और उसे अपने 20 विधायकों सहित 25 विधायकों का समर्थन था। गोवा में इस बार दूसरे मकसद से कांग्रेस पार्टी को तोड़ा गया। भाजपा ने अपनी ताकत दिखाने और विपक्षी पार्टियों में दहशत बनाने के लिए इस काम को अंजाम दिया। उसे कांग्रेस के विधायकों की जरूरत नहीं थी फिर भी कांग्रेस तोड़ी तो उसका यह राजनीतिक मकसद भी था कि कांग्रेस की भारत जोड़ो यात्रा से बन रहे माहौल को खराब किया जाए और अगले दो महीने में जिन राज्यों में विधानसभा के चुनाव होने वाले हैं वहां यह मैसेज पहुंचाया जाए कि कांग्रेस खत्म हो रही है या खत्म हो गई है। यह अनायास नहीं है कि गोवा में जैसे ही कांग्रेस के विधायक टूट कर भाजपा में गए वैसे ही भाजपा के नेताओं ने इसे कांग्रेस छोड़ो अभियान का नाम दिया तो आम आदमी पार्टी के नेताओं ने प्रेस कांफ्रेंस करके ऐलान किया कि कांग्रेस खत्म हो गई। कहने की जरूरत नहीं है कि आम आदमी पार्टी के इस ऐलान का फायदा किसको होना है।

भाजपा ने किस तरह से दलबदल या पार्टी तोड़ने को एक राजनीतिक हथियार बना लिया है इसका नमूना मणिपुर का घटनाक्रम भी है, जहां उसने अपनी पूर्व सहयोगी जनता दल यू के छह में से पांच विधायकों को अपनी पार्टी में शामिल करा लिया। मणिपुर में भाजपा की अपनी पूर्ण बहुमत की सरकार है। उसे जदयू के विधायकों की जरूरत नहीं थी। लेकिन उसे राजनीतिक मैसेज बनवाना था। उसे देश की सभी पार्टियों को दिखाना था कि देखो, नीतीश ने बिहार में भाजपा को छोड़ा तो देश भर में उनकी पार्टी को हम खत्म कर देंगे। यहीं मैसेज बनवाने के लिए दादर व नागर हवेली और दमन दीयू में जदयू को खत्म किया गया। दोनों केंद्र शासित प्रदेशों में जदयू की पूरी कमेटी भाजपा में शामिल हो गई। जदयू के कुछ पंचायत सदस्य भी जीते थे वे भी भाजपा में चले गए। भाजपा को ऐसा करने की जरूरत नहीं थी लेकिन उसने किया ताकि विपक्षी पार्टियों में दहशत बने। उनको भाजपा की ताकत का अहसास हो। असल में अब भाजपा के लिए यह खेल बन गया है। उसके नेताओं को इसमें मजा आ रहा है। वे बिना किसी मकसद से भी विपक्षी पार्टियों को तोड़ रहे हैं। गुजरात की मिसाल देख सकते हैं, जहां पिछले चुनाव में भाजपा ने 99 सीटें जीती थीं। बहुमत का आंकड़ा 92 सीटों की है। सो, सरकार के पास आरामदेह बहुमत था लेकिन उसने एक एक करके कांग्रेस के एक दर्जन से ज्यादा विधायकों का इस्तीफा करा दिया। आज भाजपा के 114 और कांग्रेस के 63 विधायक हैं। इसी तरह असम में चुनाव के बाद से ही भाजपा का प्रदेश नेतृत्व कांग्रेस के विधायक तोड़ रहा है। राज्यसभा चुनाव में उनसे क्रॉस वोटिंग कराई सो अलग। चुनाव से पहले हिमाचल में कांग्रेस विधायकों के टूटने की चर्चा है तो उत्तराखंड और झारखंड दोनों राज्यों में कांग्रेस के विधायकों के भाजपा के संपर्क में होने की खबरें हैं। इस तरह भाजपा या तो पार्टी तोड़ रही है या विधायकों से दलबदल करा रही है या कम से कम इस बात की चर्चा करा रही है कि वह ऐसा कर सकती है।

भाजपा के अलावा कुछ अन्य पार्टियों ने भी दलबदल कराया है, जैसे तेलंगाना में मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव की पार्टी टीआरएस ने कांग्रेस के कुछ विधायकों से दलबदल करा दिया या पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी की पार्टी तृणमूल कांग्रेस ने भाजपा के ही कुछ विधायकों को तोड़ दिया या बिहार में राष्ट्रीय जनता दल ने असदुद्दीन ओवैसी की पार्टी एमआईएम के कुछ विधायक अपनी पार्टी में मिला लिए या राजस्थान में कांग्रेस ने मायावती की पार्टी बसपा के विधायकों का विलय अपनी पार्टी में करा लिया। लेकिन ये सारी घटनाएं अपवाद की हैं। इनसे कोई ट्रेंड नहीं निकलता है। भाजपा के अलावा दूसरी पार्टियां यह काम सांस्थायिक रूप से नहीं करती हैं। ऐसा नहीं है कि कांग्रेस छत्तीसगढ़ में भाजपा को तोड़ने का प्रयास कर रही है या जेएमएम और कांग्रेस मिल कर झारखंड में विपक्षी विधायकों को तोड़ रहे हैं। विपक्ष की पार्टियां इस तरह का काम नहीं कर रही हैं। इस तरह के काम पर भाजपा का एकाधिकार है। उसने राजनीतिक मैसेजिंग के लिए और विपक्षी पार्टियों को उनकी हैसियत दिखाने के लिए इसे एक हथियार बना लिया है। मीडिया और सोशल मीडिया में भी इसका नैरेटिव बनवा कर यह स्थापित किया गया है कि भाजपा या अमित शाह जिस पार्टी में चाहें उसमें तोड़-फोड़ करा सकते हैं।

मालिक,मुद्रक,प्रकाशक-**दिलशाद एस खान** द्वारा एस आर प्रिंटिंग प्रेस,मोहन अर्जुन कंपाउंड, वैशाली नगर दहिसर (पूर्व),मुंबई-68 से मुद्रित व मुंबई हलचल,साईं मंगल को ऑ हॉ सो बी-2-301,इस्माइल बाग नियर मालाड शॉपिंग सेंटर, एस वी रोड,मालाड (प) मुंबई से प्रकाशित RNI NO MAHHIN/2010/34146, फोन:**9619102478 /9821238815**
email: mumbaihalchal@gmail com संपादक: **दिलशाद एस खान,** समाचार पत्र में छपे किसी भी समाचार से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। किसी भी विवाद का निपटारा न्याय क्षेत्र मुंबई होगा।

बच्चा चोरी की अफवाह फैलाने वालों पर होगी सख्त कार्रवाई

अब तक जो भी घटनाएं शहर में घटी है किसी में भी बच्चा चोरी की पुष्टि नहीं हुई: मुंब्रा पुलिस

संवाददाता/समद खान

मुंब्रा। पिछले कुछ दिन से मुंब्रा शहर में बच्चा चोरी की अफवाह फैल रही है की स्कूलों से बच्चों का अपहरण किया जा रहा है आपको बताते चलें अब्दुल्लाह पटेल हाई स्कूल और मुंब्रा देवी परिसर स्थित उर्दू मुंसिपल स्कूल में कुछ महिलाओं द्वारा दो महिलाओं की कुटाई इस शक में कर दी गई कि वह बच्चा चुराने वाली है जब मुंब्रा पुलिस द्वारा दोनों महिलाओं के बारे में गंभीरता से छानबीन की गई तो पता चला वह मांगने वाली महिलाएं हैं जो भीख मांगने के लिए गई थी लेकिन बच्चा चोरी के शक के आधार पर उन दो महिलाओं की कुटाई कर दी गई इस बात की खबर मुंब्रा शहर में सोशल मीडिया के माध्यम से इस तरह से प्रस्तुत की गई की मुंसिपल उर्दू स्कूल में महिलाओं द्वारा बच्चा चोरी करने वाली दो महिला को पकड़ा गया सोशल मीडिया पर चली इस खबर से मुंब्रा शहर में अफरा-तफरी मच गई हर अभिभावक अपने बच्चों को लेकर परेशान होने लगे शहर में बच्चा चोरी की अफवाहों के कारण बिगड़ते हालातों को देखते हुए मुंब्रा पुलिस स्टेशन के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक अशोक कडलग

तत्काल पत्रकार परिषद ली पत्रकारों से बात करते हुए तीखी प्रतिक्रिया देते हुए कहा की बच्चा चोरी की अफवाह फैलाने वालों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा यह बच्चा चोरी की सिर्फ कुछ लोगों द्वारा अफवाह फैलाकर शहर का वातावरण खराब किया जा रहा है उन्होंने बताया कि हमारे मुंब्रा पुलिस स्टेशन में अब तक किसी प्रकार की कोई भी बच्चा चोरी की शिकायत दर्ज नहीं की गई है और उन्होंने शहर वासियों से निवेदन भी किया है कि कृपया अफवाह पर ध्यान ना दें और अपने बच्चों को स्कूल में ध्यान से लेकर जाएं और लेकर आए उन्होंने अपनी जिम्मेदारी निभाते हुए गत 15 सितंबर गुरुवार शाम 7:00 बजे अशोक कडलग द्वारा शहर के तमाम स्कूल प्रबंधन की बैठक ली गई जिसमें उपस्थित तमाम स्कूल प्रबंधन के कर्ता-धर्ता से अनुरोध किया है कि कृपया जिस तरह से शहर में बच्चा चोरी की अफवाहों का बाजार गर्म है उसको देखते हुए आप लोग सतर्क रहें अपनी स्कूलों में सीसीटीवी कैमरा स्थापित किए जाएं जाए जिनका सीसीटीवी कैमरा खराब है उसे दुरुस्त कराएं और सुरक्षा कर्मियों को तैनात करें और विशेष रूप से यह कहा गया है स्कूल छूटने के समय कि जो बच्चे छोटे हैं उनको अभिभावकों के हाथ में ही सोपे किसी अन्य व्यक्ति की हाथ में बिना शिनाख्त किए बच्चे को ना सोपे एक घंटे की चली इस बैठक में बच्चों की सुरक्षा को लेकर विचार विमर्श किया गया और स्कूल प्रबंधन के तमाम कर्ताधर्ता ने पत्रकारों को बताया की वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक द्वारा जारी की गई गाइडलाइंस को गंभीरता से लिया जाएगा और जो भी कमियां स्कूल की तरफ से होंगी उसको फौरी तौर पर पूरा किया जाएगा और बच्चों के प्रति काफी सतर्क रह जाएगा हालांकि आपको बता दें पूरे मुंब्रा शहर में डेढ़ सौ से अधिक स्कूल हैं जिनमें ज्यादातर स्कूलों में सीसीटीवी कैमरे की सुविधाएं पर्याप्त नहीं की गई है सुरक्षा कर्मचारी तैनात नहीं किए गए हैं शिक्षण कानून की धज्जियां उड़ाई गई है बस स्कूल प्रबंधन बच्चों की जरिए कमाई कर रहे हैं लेकिन उन्हें आज बच्चों की सुरक्षा को लेकर सारी सुविधाएं पारित करनी होंगी गौरतलब बात तो यह है जिस तरह से बच्चा चोरी की अफवाहों का बाजार शहर में गर्म होता हुआ नजर आ रहा है उसको देखते हुए मुंब्रा पुलिस भी इस मामले को सरलता से नहीं लेते हुए गंभीरता से ले रही है और मुंब्रा पुलिस के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक ने भी अपने कर्मचारियों को और अधिकारियों को आदेश देते हुए हाई अलर्ट मोड पर रख दिया है और सख्त निर्देश दिए हैं की सतर्क रहें और शहर में बराबर नजर बना कर रखे हैं कि जो भी व्यक्ति द्वारा बच्चा चोरी की अफवाह फैलाई जा रही है उस पर कानूनी कार्रवाई की जाए।

ममेरी बहन के प्यार में पागल युवक, मामा ने शादी से किया इनकार तो कुल्हाड़ी से काट दी गर्दन

मुंबई हलचल / संवाददाता

नांदेड़। महाराष्ट्र के नांदेड़ में एक युवक ने अपने मामा की कुल्हाड़ी से गर्दन काट दी है। आरोपी युवक अपनी ममेरी बहन से एकतरफा प्यार करता था और उससे शादी करना चाहता था। वहीं उसके मामा ने इस शादी के लिए मना कर दिया था। काफी प्रयास के बाद भी जब वह अपने मामा को नहीं मना पाया तो उन्हें रास्ते से हटाने के लिए कुल्हाड़ी से वार कर हत्या कर दी। सूचना मिलने पर नांदेड़ पुलिस ने आरोपी युवक को गिरफ्तार कर उसकी निशानदेही पर वारदात में इस्तेमाल कुल्हाड़ी बरामद कर लिया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। नांदेड़ एसपी प्रमोद कुमार शेवाले ने बताया कि वारदात को अंजाम देने वाले 19 वर्षीय आरोपी को गिरफ्तार

कर लिया है। आरोपी की पहचान एकनाथ बंधु जादव के रूप में हुई है। वारदात जिले के अद्धापुर तहसील के गांव छाबरा की है। इस संबंध में मनाथा थाने में केस दर्ज किया गया है। उन्होंने बताया कि आरोपी अपने मामा बालाजी काकड़े की बेटी से शादी करना चाह रहा था। उसने कई बार इसके लिए उनसे बात भी की, लेकिन मामा ने इस शादी के लिए साफ मना कर दिया। लेकिन अपने एक तरफा प्यार में अंधे हो चुके आरोपी ने हर हाल में शादी करने के लिए अपने मामा को ही रास्ते से हटाने की सोची और इस वारदात को अंजाम दे डाला। एसपी प्रमोद कुमार शेवाले के मुताबिक वारदात नौ सितंबर की रात का है। उस समय बालाजी काकड़े अपने घर के बाहर सो रहे थे। इसी दौरान आरोपी कुल्हाड़ी लेकर आया और क्रूरता के साथ उनके ऊपर वार करता चला गया। इससे मौके पर ही उनकी मौत हो गई। हालांकि मामले की जानकारी अगले दिन सुबह जब काकड़ा के घर वाले और अन्य लोगों की नींद खुली और वह बाहर आए तो हुई। इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई।

(पृष्ठ 1 का समाचार)

मुंबई, ठाणे और कल्याण में लगातार बारिश

कोलाबा स्थित प्रादेशिक मौसम केंद्र के अनुसार, पालघर में भारी से बहुत भारी बारिश की आशंका है जबकि ठाणे, मुंबई, रायगढ़, रत्नागिरी में भारी बारिश का अनुमान है। मुंबई में केंद्रीय उपनगर- भांडुप से ठाणे, पश्चिमी उपनगर- अंधेरी से मीरा रोड, नवी मुंबई और कल्याण बेल्ट में 4 घंटे के अंदर 100 से 120 मिमी बारिश की संभावना है। पुणे मौसम विभाग के हेड केएस होसालिकर ने अगले 48 घंटों में मुंबई और ठाणे में भारी बारिश की आशंका जताई है। उन्होंने ट्वीट किया, 'अगले 3 से 4 घंटों में मध्यम से तेज बारिश की संभावना। पिछले 24 घंटों में मुंबई और आसपास में मध्यम से भारी बारिश हुई। अगले 48 घंटे, भारी बारिश की संभावना है।' मुंबई के अंधेरी, गोरेगांव, सांताक्रूज, पवई और खार में सुबह से ही बारिश हो रही है। अंधेरी सबवे में पानी भर जाने के कारण ट्रैफिक धीमा है।

21 लाख से अधिक राशन कार्ड हुए रद्द

महाराष्ट्र में 21.03 लाख राशन कार्ड कैंसल किए गए हैं। बता दें कि इस बार फिर से सरकार ने बड़ा कदम उठाया है। नेशनल फूड सक्योरिटी एक्ट (एनएफएसए) के तहत राशन कार्ड का फायदा लेने वाले 70 लाख कार्ड धारकों को संदिग्धों की लिस्ट में रखा गया है। केंद्र सरकार की ओर से यह डाटा ग्राउंड वेरिफिकेशन के लिए राज्यों के पास भेजा गया है। सत्यापन में इस बात का पता लगाया जाएगा कि जिनका नाम लिस्ट में शामिल किया गया है वे एनएफएसए के तहत राशन पाने के लिए योग्य हैं या नहीं। इस मामले में फूड सेक्रेटरी सुधांशु पांडे के मुताबिक, अगर 70 लाख में से आधे भी नियमानुसार सही नहीं पाए गए तो उनकी जगह रद्द करके नए पात्रों को मौका दिया जाएगा। राशन कार्ड रद्द होने के बाद उनकी जगह नए पात्रों के नाम शामिल किए जाते हैं।

आदित्य ठाकरे बोले-एकनाथ सरकार की वजह से गई 1.7 लाख नौकरियां

उन्होंने कहा कि, महाविकास अघाड़ी सरकार ने वेदांत-फॉक्सकॉन परियोजना को लाने के लिए बहुत मेहनत की थी, लेकिन एकनाथ शिंदे सरकार की अज्ञानता ने करीब 1.7 लाख नौकरियों को खो दिया है। सेमीकंडक्टर संयंत्र को लगाने के लिए गुजरात को हाल ही में 1.54 लाख करोड़ मिला है। ताइवान की इलेक्ट्रॉनिक्स निर्माण कंपनी फॉक्सकॉन और खनन समूह वेदांता ने संयुक्त रूप से गुजरात के अहमदाबाद में संयंत्र बनाने का फैसला किया है। हालांकि, गुजरात से पहले इस प्लांट को महाराष्ट्र में लगाया जाना था। आदित्य ठाकरे ने कहा कि, अज्ञानता की वजह से मुख्यमंत्री और उद्योग मंत्री दोनों परियोजनाओं को खो दिया। इससे पहले सेमीकंडक्टर प्लांट को लेकर एकनाथ शिंदे विपक्ष के निशने पर है।

आबकारी नीति को लेकर ईडी की बड़ी कार्रवाई

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने कथित दिल्ली शराब नीति घोटाले के सिलसिले में नेल्लोर में एक कार्यालय परिसर में भी तलाशी ली। इससे पहले केंद्रीय जांच एजेंसी ने देशभर के लगभग 45 स्थानों पर छह सितंबर को तलाशी अभियान चलाया था। गौरतलब है कि दिल्ली सरकार की नई आबकारी नीति सवालों के घेरे में है। भारतीय जनता पार्टी ने इसको लेकर दिल्ली के उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया पर घोटाले का आरोप लगाया है। इसको लेकर सीबीआई भी मनीष सिसोदिया के घर व बैंक लॉकर की तलाशी ले चुकी है। दरअसल एलजी ने दिल्ली के सचिव की एक रिपोर्ट के आधार पर सीबीआई जांच की सिफारिश की थी। 8 जुलाई को यह रिपोर्ट भेजी गई थी। जिसमें पिछले साल लागू की गई आबकारी नीति पर सवाल उठाए गए थे। जिसमें आबकारी नीति (2021-22) बनाने और उसे लागू करने में लापरवाही बरतने के साथ ही नियमों की अनदेखी और नीति के कार्यान्वयन में गंभीर चूक के आरोप हैं। इसमें अन्य बातों के साथ-साथ निविदा को अंतिम रूप देने में अनियमितताएं और चुनिंदा विक्रेताओं को टेंडर के बाद लाभ पहुंचाना भी शामिल है। रिपोर्ट में यह भी आरोप लगाया गया कि शराब बेचने की वालों की लाइसेंस फीस माफ करने से सरकार को 144 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है। आबकारी मंत्री के तौर पर मनीष सिसोदिया ने इन प्रावधानों की अनदेखी की है।

अभिनेता मयंक कौल की बॉलीवुड यात्रा है बेहद दिलचस्प

हाल ही में रिलीज हुई साई कबीर की फिल्म हॉली काऊ में मयंक कौल की अद्भुत प्रतिभा नजर आई, मयंक कौल भले ही नवोदित अभिनेता हों, लेकिन वह बॉलीवुड में काम करते रहने के लिए आए हैं। उनकी हाल ही में रिलीज हुई साई कबीर की फिल्म हॉली काऊ में मयंक की अद्भुत प्रतिभा और जुनून की झलक है। एक पेशेवर पर्वतारोही, मयंक ने हॉली काऊ और आगे के प्रोजेक्ट्स पर बात की:

सवाल - मुंबई आकर बॉलीवुड में किस्मत आजमाने के लिए आपको किस बात में प्रेरित किया?

जवाब - मैं हमेशा से फिल्मों में आना चाहता था। तो, मैं यहाँ हूँ जहाँ मेरा होना तय था!

सवाल - यह फिल्म हॉली काऊ आपको कैसे मिली? और फिल्म में आपका क्या रोल है?

जवाब - मैं एक लोकल गैंगस्टर के भतीजे की भूमिका निभा रहा हूं जो खुद एक गैंगस्टर भी है। यह एक मजेदार भूमिका है, यह एक ब्लैक कॉमेडी है। मैं निर्देशक साई कबीर के अधीन उनके सहायक के रूप में 2014 से काम कर रहा था और इस प्रोजेक्ट पर भी काम कर रहा था जब तक कि यह चरित्र सामने नहीं आया और उन्होंने मुझे यह रोल पेश किया और कैमरे के पीछे से मैं कैमरे के सामने आया (वह मुस्कुराते हैं)। यह बहुत लंबा ट्रैक नहीं है लेकिन यह दिलचस्प है।

सवाल - साई कबीर एक जाने माने निर्देशक हैं। जब आपको इस फिल्म में अभिनय करने का प्रस्ताव मिला तो आपकी क्या प्रतिक्रिया थी? और साईं के साथ काम करने का आपका अनुभव कैसा रहा?

जवाब - यह बहुत अजीब लेकिन थोड़ी लंबी कहानी है कि उन्होंने मुझे जूह में देखा जब मैं सिगरेट खरीद रहा था और वह भी सिगरेट खरीदने आए थे। उस समय वह युवाओं के बारे में एक फिल्म की योजना बना रहे थे जो वास्तव में कभी नहीं बनी और कास्टिंग कर रहे थे और मुझसे पूछा कि क्या मैं एक अभिनेता हूं और मुझे अगले दिन ओकवुड होटल में मिलने के लिए बुलाया, जहां वह और उनकी टीम काम कर रही थी और फिल्म का शीर्षक जवानी था जिसमें मुझे एक समानांतर लीड रोल की पेशकश की गई थी।

सवाल - क्या अभिनय आपका बचपन का सपना था या जीवन में बड़े होने के साथ यह शौक आप पर चढ़ा ?

जवाब - मुझमें धीरे-धीरे एक्टिंग का रूझान बढ़ता गया।

सवाल - इंडस्ट्री में पहले से ही बहुत सारे न्यूकमर्स हैं। आप कलाकारों के इस समुद्र में कैसे फिट होते हैं?उनमें से एक विजेता बनने के लिए आपकी क्या रणनीति है?

जवाब- हर दिन सड़क पर अधिक कार, स्कूटर, मोटरसाइकिल, ट्रक, बस आदि होते हैं, लेकिन हम लोगों से मिलने और काम को करने के लिए बाहर जाना बंद नहीं करते। तो भीड़ से वास्तव में कोई फर्क नहीं पड़ता। भीड़ के बावजूद हर जगह अवसर है।

सवाल - बॉलीवुड में आपका आदर्श कौन है? कोई सदाबहार पसंदीदा अभिनेता?

जवाब - संजय दत्त और इरफान खान

सवाल - आपका फिटनेस मंत्र क्या है?

जवाब - यह जेनेटिक है।

सवाल - आप खुद को कैसे आराम देते हैं?

जवाब -अच्छे संगीत, चंद लोगों, अच्छे दोस्तों के साथ मैं खुद को आराम देता हूं। कुछ हद तक अपने आप मे रहने वाला, मुझे बहुत सारे लोग पसंद नहीं हैं।

सवाल - आप मुंबई को एक शब्द में कैसे परिभाषित करते हैं?

जवाब - ऊर्जा, ऊर्जा और ऊर्जा..

एकीकृत शिक्षक संघ का विस्तार किया गया, तैयारियां जोरों पर

मुंबई हलचल / भैरु सिंह राठौड़

राजस्थान। राजस्थान शिक्षक संघ एकीकृत कार्यकारणी का विस्तार किया गया जिसमे नगेंद्र सिंह चौधरी व्याख्याता अंग्रेजी राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय उच्चैन को उच्चैन ब्लॉक अध्यक्ष व मोहन लाल अध्यापक राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय जीराहेड़ी पहाड़ी को पहाड़ी के ब्लॉक अध्यक्ष के पद पर कोषाध्यक्ष राजेन्द्र सिंह की अभिशंसा पर नियुक्त किया गया। जानकारी देते हुए राजस्थान शिक्षक संघ एकीकृत के जिलाध्यक्ष भूपेंद्र सिंह मीणा ने बताया कि ब्लॉक अध्यक्षों की नियुक्ति पत्र सोंपते हुए जल्द ब्लॉक कार्यकारणी गठित करने के निर्देष दिए गए। उनका टीम द्वारा माला पहनाकर सम्मान किया गया साथ ही उनको आगामी 23 सितम्बर को टेक्नोलोजी पार्क सेवर में अयोजित होने वाले जिला स्तरीय शैक्षिक सम्मेलन की तैयारियों की निष्ठा पूर्वक व लगन के साथ तैयारी करने के लिए निर्देष दिए गए। टीम द्वारा निर्णय लिया गया की शिक्षक सम्मेलन का अयोजन 23 सितंबर टेक्नोलोजी पार्क सेवर में अयोजित किया जायेगा, समस्त टीम मेम्बर्स को जिम्मेदारियों का बंटवारा किया गया। इस अवसर पर देवेन्द्र गुर्जर ब्लॉक अध्यक्ष रूपवास, कैलाश जालूकी ब्लॉक अध्यक्ष नगर, बयाना ब्लॉक अध्यक्ष रामचरण, कुम्हेर ब्लॉक अध्यक्ष नगेंद सिंह सोगर, प्राची कुमकुम सिंह महिला शक्ति जिला अध्यक्ष, सेवर ब्लॉक अध्यक्ष शिव कुमार मुदगल, भुसावर ब्लॉक अध्यक्ष सोनसिंह, राजेंद्र सिंह, लक्ष्मण सिंह, प्रताप सिंह, श्याम सिंह, छोटे लाल, राकेश यादव, प्रेम कुमार, दीन दयाल शर्मा, अवनीश गोयल, बाबूलाल टुंडपुरा सहित अन्य टीम के सदस्य मौजूद रहे। इस अवसर पर जिला महामंत्री तेजसिंह महावर ने कहा कि जल्द पुनः मीटिंग आयोजित कर कार्यकारणी का और विस्तार किया जाएगा जिसमें जिन ब्लॉकों के अध्यक्ष एवं कार्यकारिणी के अन्य पदाधिकारी नहीं है उनको नियुक्ति प्रदान की जाएगी साथ ही सभी कार्यकारिणी सदस्यों को आगामी शिक्षक सम्मेलन की तैयारियों को जोर-शोर से करने के लिए जिला मंत्री ने निर्देश दिए। उक्त जानकारी भूपेंद्र मीणा ने राजस्थान संपादक भैरु सिंह राठौड़ को दी हैं।

शिव शक्ति सामाजिक संगठन, बोईसर ने की अनौखी पहल

पूर्व पालक मंत्री गणेश नाईक के जन्म दिन पर रक्तदान शिविर का किया गया आयोजित

मुंबई हलचल / संगीता शाह

बोईसर। थाना जिला के पूर्व पालक मंत्री व पूर्व राज्य उत्पादन शुल्क मंत्री गणेश नाईक के जन्म दिन के उपलक्ष में 15 सितम्बर को शिव शक्ति सामाजिक संघठन, बोईसर की तरफ से भव्य रक्तदान शिविर आयोजित किया गया। बोईसर मे स्थित डॉन बॉस्को स्कूल के सभागृह में आयोजित इस रक्तदान शिविर को श्रीमती डी.के.छेड़ा ब्लड सेंटर, डहाणू ने अपने सहयोगियों के साथ मिलकर सफल बनाया इसमे करीब 200 रक्त दाताओं ने स्वेच्छा से रक्तदान करके अपनी सामाजिक जवाबदारी का निर्वहन किया। इस रक्तदान शिविर के प्रमुख आयोजक तथा शिव शक्ति सामाजिक संगठन,बोईसर के अध्यक्ष संजय पाटिल ने संवाददाताओं से बातचीत करते हुए बताया कि इस संगठन के पदाधिकारी- कार्यकर्ता, कुछ स्वयंसेवियो व रक्त दाताओ ने इस शिविर को सफल बनाया जिसके लिए वे सभी के तहे

दिल से आभारी हैं इन रक्त दाताओं को प्रोत्साहित करने हेतु अनेक मान्यवरो ने उपस्थित होकर उनका मनोबल बढ़ाया। इस शिविर के प्रमुख आयोजक तथा शिव शक्ति सामाजिक संगठन के अध्यक्ष संजय पाटिल ने बताया कि खून की कमी से किसी की भी जान ना जाने पाए यही उनकी पूरी टीम की इच्छा है। इस रक्तदान शिविर में रक्तदाताओं का मनोबल बढ़ाने के लिए पूर्व विधायक विलास तरे, पालघर के नगर सेवक प्रथमेश गिम्पले, बोईसर- पालघर पत्रकार संघ (रजि.) के अध्यक्ष रामप्रकाश निराला, सचिव वरिष्ठ पत्रकार ओमप्रकाश द्विवेदी तथा अजीत सिंह आदि सहित सामाजिक कार्यकर्ता विश्वास वलवी, प्रधानाध्यापक डेरल डिमेलो, श्रीमती डी. के. छेड़ा ब्लड सेंटर, डहाणू की डॉक्टर अंतारा मेडम, विजय महाजन, उमेश चौधरी, शिव शक्ति सामाजिक संगठन के पदाधिकारी महेंद्र भोने, माधवी भोने, अजय दिवे, मिलिंद बड़े, अतुल देसाई, शाम संखे, नापेश सन्खे, सचिन पिंपल तथा रोहित पाटिल सहित अनेक पदाधिकारी तथा कार्यकर्ता उपस्थित थे। सभी रक्त दाताओं व मान्यवरो को पोस्टिक अल्पोहार, चाय कॉफी तथा शीत पेयजल आदि दिया गया। इस शिविर को सफल बनाने के लिए शिव शक्ति सामाजिक संगठन के अध्यक्ष संजय पाटिल ने सभी के प्रति आभार व्यक्त किया।

जयपुर में विश्व ओजोन दिवस पर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया

मुंबई हलचल / भैरु सिंह राठौड़

राजस्थान। जयपुर में राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय गणगौरी बाजार में विश्व ओजोन दिवस पर चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया कक्षा बारहवीं तक के 25 छात्राओं ने बढ़ चढ़कर भाग लिया इस प्रतियोगिता में दो ग्रुप में की गई वर्गो सांस्कृतिक संस्था अध्यक्ष रूपाली राव रवि कश्यप के सौजन्य से सूचना मंत्री सुनील जैन ने सर्वश्रेष्ठ पुरस्कार प्रिया वर्मा मां लक्ष्मी जूनियर ग्रुप में प्रथम प्रिया गोस्वामी पलक शर्मा द्वितीय अप्सरा अचुकी वर्मा तृतीय रानी टूंडला यत अक्षिता गुर्जर दुर्गा माता सीनियर ग्रुप प्रथम खुशबू उमर बाल नेहा धानका वित्तीय महिमा गुर्जर दीक्षिता नागर तृतीय आरती सोनी मुस्कान साहू को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया विद्यालय प्रधानाचार्य डॉक्टर जय श्री भार्गव ने विद्यार्थियों की ओजोन परत की महत्ता बताते हुए कहा कि पृथ्वी पर जीवन की संकल्पना के लिए ऑक्सीजन के साथ-साथ ओक्सीजन के 3 परमाणुओं से मिलकर बनी ओजोन में नितांत आवश्यक है जो सूर्य से आने वाली हानिकारक पराबैंगनी अवशोषित कर हमें सुरक्षा प्रदान करती है इस मौके पर व्याख्याता चित्रकला राजकुमारी जैन मौजूद रही। उक्त जानकारी सुनील कुमार जैन ने राजस्थान संपादक भैरु सिंह राठौड़ को दी हैं।

अभिनेता मनोज बाजपेयी ने गौतम वासुदेव मेनन की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'वेंधु थानिंधथु काडू' को दी अपनी आवाज

फिल्म सिनेमैटिक तिकड़ी सिलंबरासन, गौतम मेनन और ए आर रहमान के तीसरे सहयोग को चिह्नित करती है। सिलंबरासन (एसटीआर) अभिनीत गौतम वासुदेव मेनन की एक्शन सागा 'वेंधु थानिंधथु काडू' ने अपना हिंदी ट्रेलर रिलीज कर दिया है। ट्रेलर का एक मुख्य आकर्षण हमारे देश के सर्वश्रेष्ठ अभिनेताओं में से एक- श्री मनोज बाजपेयी द्वारा की गई तमिल भाषा की फिल्म का हिंदी डबिंग है। जयमोहन द्वारा लिखित, फिल्म एक मशहूर सिनेमाई ट्रॉप से अपना मूल लेती है -दलितों की जीत, सभी बाधाओं से ऊपर मानवीय भावना का उदय। वीटीके एक बिल्कुल स्वाभाविक, रियलिस्टिक और दमदार एक्शन ड्रामा है। फिल्म में ए आर रहमान द्वारा एक शानदार साउंडट्रैक और थमराई के गीत हैं। यह फिल्म अभिनेता, संगीत निर्देशक और फिल्म निर्देशक तिकड़ी के तीसरे सहयोग को चिह्नित करती है जिन्होंने पहले भी यादगार सिनेमा दिया है। हिंदी दर्शकों के लिए फिल्म के ट्रेलर रिलीज पर, निर्देशक गौतम मेनन ने कहा, हम अपने डिस्ट्रीब्यूटर के रूप में श्री अनिल थडानी जैसे समझदार

व्यक्ति को पाकर बेहद खुश हैं। अच्छे कंटेंट और सुझावों के लिए उनकी गहरी नजर ने हमें अपनी तमिल फिल्म को सबटाइटल के साथ हिंदी दर्शक तक ले जाने में मदद की है। हमें बहुत खुशी है कि मनोज बाजपेयी ने हमारे ट्रेलर के लिए अपनी दमदार आवाज को उधार दिया, जो फिल्म में इंट्रोडक्शन कराती है जिसमे मुथु (एसटीआर के करैक्टर) से निर्माण होती है और जिस दुनिया में वह रहता है बाद में शासन करता है। मनोज बाजपेयी का एक्शन से भरपूर गैंगस्टर फिल्म के लिए बात करना उनके भीकू म्हात्रे (आरजीवी के सत्या से) करैक्टर के सलीके की तरह है। गौतम ने यह भी कहा, वीटीके फिल्म का संगीत एक प्रमुख आकर्षण है-ए.आर रहमान ने हमारे ऑडियो लॉन्च पर लाइव प्रदर्शन किया और उनके साथ काम करना हमेशा एक उम्दा अनुभव रहा है। मुझे खुशी है कि उन्होंने अपने संगीत चार चाँद लगा दिए। हमने मेन टाइटल ट्रैक को फिर से तैयार किया है जो तमिल से हिंदी में सबसे लोकप्रिय गीत है और जल्द ही रिलीज किया जाएगा। यह गीत निश्चित रूप से तमिल में हिंदी में पॉपुलर होगा। डिस्ट्रीब्यूटर अनिल थडानी ने कहा, एए फिल्म्स और वेल्स फिल्म इंटरनेशनल, सिलंबरासन टीआर, गौतम वासुदेव मेनन और एआर रहमान के असोसिआशन से नॉर्थ इंडिया में 'वेंधु थानिंधथु काडू' को रिलीज करते हुए खुशी हो रही है। फिल्म एक लड़के की अंडरवर्ल्ड के जर्नी पर, वास्तविक कहानी है। इसने मुझे सत्या एंड कंपनी की याद दिला दी। साउथ इंडियन फिल्म की लहरों के साथ, मुझे उम्मीद है कि वेंधु थानिंधथु यहां अच्छी तरह सफलता हासिल करेगी।

आधार कार्ड बनाने के नाम पर हो रहा अवैध वसूली एवं लोगों से किया जा रहा है अभद्र व्यवहार

तुलसीपुर नगर में लाल चौराहे पर स्थित इलाहाबाद बैंक मे आधार कार्ड का कैंप लगाया गया है जिसमें लोग आधार कार्ड बनवाने हेतु प्रातः 5:00 बजे से ही लाइन लगा लेने के बावजूद उनका आधार नहीं बन पाता है और उनके साथ अभद्र व्यवहार किया जा रहा है, वहां आधार बनवाने गई महिला कुसुम कश्यप ने बताया कि 3 दिनों से आधार कार्ड बनवाने हेतु सुबह 5:00 बजे से लाइन लगाती है परंतु जब समय आता है बनाने को तो उसे कल परसों का झांसा देकर लौटा दिया जाता है एवं वही के तमाम लोगों ने बताया कि 500 रुपये लेने के बावजूद आधा रिजेक्ट होने का बहाना देकर उनको दौड़ाया जा रहा है, जिससे लोगों में काफी आक्रोश व्याप्त है, वहीं भाजपा युवा मोर्चा के मंडल मंत्री ऋतिक चौरसिया एवं आईटी विभाग के मंडल संयोजक अमित कसौधन ने कहा कि अगर जल्द से जल्द संबंधित अधिकारियों ने कोई फैसला नहीं लिया तो जिन व्यक्तियों के साथ दुर्व्यवहार हो रहा है उनको साथ लेकर इलाहाबाद बैंक के आगे धरना देकर उनके विपरीत कार्यवाही को लेकर मांग की जाएगी।

चितौड़गढ़ डीएम अजय भंडारी का स्थानांतरण हुआ

मुंबई हलचल / भैरु सिंह राठौड़

राजस्थान। चित्तौड़गढ़ के श्रम विभाग के चित्तौड़गढ़ कार्यालय से मदन साली ओजस्वी का अतिरिक्त प्रशासनिक अधिकारी के पद पर तथा बाबु सिंह का सहायक प्रशासनिक अधिकारी पद पर प्रमोशन होने पर माला पहनाकर, मुंह मीठा कराते हुए सम्मान किया गया। बी ओ सी डब्लू, डीएम अजय भंडारी का चित्तौड़गढ़ से भीलवाड़ा स्थानांतरण होने पर उनके व्यवहार व कार्यों की प्रशंसा करते हुए सराहना की तथा सांवरिया सेठ की तस्वीर भेंट कर उनका सम्मान किया गया। इस दौरान कार्यालय के उप श्रम आयुक्त नवलराम डांगी ने बताया कि इस कार्यालय को अपना घर परिवार की तरह समझते हुए सभी मिलकर समय पर कार्य निस्तारण कर रहे हैं यह बहुत बेहतरीन है। ओजस्वी ने कार्यालय परिवार द्वारा सम्मान करने पर धन्यवाद एवं आभार व्यक्त किया। उक्त जानकारी मदन सालवी ओजस्वी ने राजस्थान संपादक भैरु सिंह राठौड़ को दी हैं।

एस.डी.एस. बदामिया कॉलेज में विश्व ओजोन दिवस का आयोजन

हितेश सोनी (रामाजी गुडा)

वरकाणा बदामिया महाविद्यालय हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी महाविद्यालय में विश्व ओजोन दिवस का आयोजन किया गया। लेकिन इस वर्ष बदामिया कॉलेज की ओर से ओजोन दिवस पर अंतर महाविद्यालय प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें आसपास के 5 महाविद्यालयों ने भाग लिया। सर्वप्रथम महाविद्यालय में ओजोन दिवस का आयोजन किया गया जिसमें उपस्थित अतिथिगण ने अपने विचार रखे। संस्थान के सचिव रमेश आर.जैन ने बताया कि ओजोन परत को सुरक्षित रखने में भारतीय संस्कृति महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। रानी उपखण्ड अधिकारी रविकांत सिह ने ओजोन दिवस मनाने की प्रासंगिकता पर प्रकाश डाला। सहायक आचार्य चेतन जानी ने ओजोन गैस की पृथ्वी को क्या आवश्यकता है इस संदर्भ में विचार प्रकट किए। मंच संचालन जयप्रकाश मिश्रा द्वारा किया गया। महाविद्यालय की ओर से आयोजित निबंध प्रतियोगिता में बदामिया कॉलेज वरकाणा ने प्रथम, आशापुरा कॉलेज सादड़ी ने दितीय तथा क्षेत्रपाल कॉलेज देसूरी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। इसी प्रकार पोस्टर मेकिंग में बदामिया कॉलेज प्रथम, विद्यावाडी कॉलेज खीमेल द्वितीय एवं आशापुरा कॉलेज सादड़ी तृतीय स्थान पर रहा और प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में राघव कॉलेज खिवाड़ा प्रथम, बदामिया कॉलेज द्वितीय, क्षेत्रपाल कॉलेज ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। पारितोषिक वितरण प्राचार्य सचेंद्र बोहरा द्वारा किया गया। इस अवसर पर नेहरू युवा केंद्र पाली के रानी ब्लॉक समन्वयक हितेश सोनी जी भी उपस्थित थे। कार्यक्रम को सफल बनाने में सभी सहायक आचार्य एवं कर्मचारियों का सराहनीय योगदान रहा। अध्यक्ष श्री खूबी लाल राठौड़,सचिव विजय सुराणा, कोषाध्यक्ष मुकेश भंडारी एवं अंग्रेजी माध्यम प्राचार्य अमिता भंडारी ने ओजोन दिवस के आयोजन के लिए अपनी ओर से आभार प्रकट किया।

काव्य कॉर्नर फाऊंडेशन: नया आयाम, नई रोशनी विशिष्ट उपलब्धियाँ: डॉ पूजा गंगानिया

मुंबई हलचल / भैरु सिंह राठौड़

राजस्थान। कला, संस्कृति, साहित्य एवं समाज सेवा को समर्पित काव्य कॉर्नर फाउंडेशन एक अंतरराष्ट्रीय संस्था है। संस्था ने हाल ही में विभिन्न क्षेत्रो की गतिविधियों को नया आयाम देते हुए शिक्षक दिवस के अवसर पर देश- विदेश के 60 से अधिक शिक्षकों एवं रचनाकारों एकलव्यम शिक्षक सम्मान से सम्मानित किया गया। देश के कोने कोने से चयनित किए हुए शिक्षकों को सम्मानित करना संस्था के लिए गौरव का विषय रहा। हिंदी दिवस के अवसर पर राजभाषा हिंदी पर प्राप्त 36 श्रेष्ठ रचनाओं में तीन रचनाकारों को प्रथम, द्वितीय, तृतीय तथा पाँच रचनाकारों को सांत्वना पुरस्कार हेतु चयनित किया। साथ में तीन श्रेष्ठ चित्रकारों के लिए भी प्रथम, द्वितीय व तृतीय की घोषणा कर अद्वितीय उदाहरण प्रस्तुत किया। मीडिया प्रभारी गुरुदीन वर्मा के अनुसार सभी सम्मान प्राप्त शिक्षको, विजयी सफल रचनाकारों एवं चित्रकारों तथा प्रतियोगिता में सहभागिता करने वाले सभी प्रतियोगियों को काव्य कॉर्नर फाउंडेशन परिवार की ओर से हार्दिक बधाइयाँ शुभकामनाएँ दी गई। संस्था की संस्थापिका डॉ पूजा गंगानिया ने बताया कि विशेष अवसरों/दिवस पर पोस्टर के

माध्यम से महान विभूतियों को नमन वंदन करना, रचनाकारों की रचनायें प्रकाशित करना, विभिन्न प्रांतो में आनलाइन के साथ-साथ मंचीय कवि सम्मेलन/गोष्ठियाँ एवम समाज सेवी साक्षात्कार श्रृंखला आयोजित करके संस्था साहित्य, कला, समाज सेवा के प्रचार प्रसार में सक्रिय रहती है जो अपने आप में बहुत बड़ा सराहनीय और प्रशंसनीय कार्य है। मीडिया प्रभारी के अनुसार इन सभी गतिविधियों को सफल बनाने के लिए संस्था की संस्थापिका, समाज सेवी एवम बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ अभियान की जिला संयोजिका (गौतमबुद्ध नगर) डा. पूजा सिंह गंगानिया ने सह- संस्थापक अमित चौहान, राष्ट्रिय कार्यकारी अध्यक्ष राजपाल यादव, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष मृत्युंजय कुमार श्रीवास्तव राष्ट्रीय महासचिव शिल्पी चौहान, राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष प्रदीप कुमार सिंह, प्रांतीय अध्यक्ष (राज.) प्रवेंद्र पंडित, सचिव चाँदनी केशरवानी, सचिव प्रीति पाठक प्रीति और पूरी काव्य कॉर्नर फाउंडेशन टीम को साधुवाद देते हुए कहा कि आप सभी का प्रयास सहयोग संस्था के उत्तरोत्तर विकास में मील का पत्थर साबित हो रहा है इसमें कोई संदेह नहीं। उक्त जानकारी मीडिया प्रभारी गुरुदीन वर्मा ने राजस्थान संपादक भैरु सिंह राठौड़ को दी हैं।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

एल/विभाग मनपा (इ.व का.) के भ्रष्ट व लापरवाह रवैये के चलते प्रभाग क्र.158 साकीनाका में मची है अवैध निर्माण की धूम

बड़े पैमाने पर हो रहा है भ्रष्टाचार

सहायक अभियंता रामेश्वर वाकले व कनिष्ठ अभियंता सचिन सरवदे इन अभियंताओं की जांच एंटि करप्शन ब्युरो को करना अति आवश्यक

रामेश्वर वाकले
सहायक अभियंता
एल/विभाग मनपा कुर्ला

सचिन सरवदे
कनिष्ठ अभियंता
एल/विभाग मनपा कुर्ला

मुंबई हलचल / अजय उपाध्याय

मुंबई। एल/विभाग मनपा अधिनस्थ वार्ड क्र.158 पिपसन कंपाऊंड मदीना होटल के पीछे खैरानी रोड साकीनाका कुर्ला (प) मुंबई-400072 में कानून कायदों की धज्जीयां उड़ा बेखौफ दो मंजिला अवैध गालों का नवनिर्माण ठेकेदार मासूक द्वारा किया जा रहा है, किंतु विभागीय कार्यालय एल/विभाग मनपा (इ.व का.) विभाग में आसीन सहायक अभियंता रामेश्वर वाकले व कनिष्ठ अभियंता सचिन सरवदे मूक दर्शक बन तमाशा देख रहे है। जिससे स्थानिको में यह संशय उत्पन्न हो रहा है कि कही उक्त अवैध निर्माण को एल/विभाग मनपा अधिकारियो द्वारा ही भ्रष्टाचार कर संरक्षण तो नही दिया जा रहा है? यदि देखा जाये तो उक्त अवैध निर्माण में अवश्य ही बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार हुआ है, अन्यथा अब तक तो मनपा अधिकारी उक्त अवैध निर्माण को जमीनदोज कर दिये होते। बता दें कि वहां के स्थानिक सामाजिक कार्यकर्ता मुक्करम शेख ने इस अवैध बांधकाम की शिकायत कनिष्ठ अभियंता सचिन सरवदे से की थी, मगर कार्रवाई करने के बजाय टालमटोल किया जा रहा है। संशय तब और गहरा हो जाता है जब मनपा में आसीन जवाबदार अधिकारी शिकायत पत्रो को नजरअंदाज करते है और अधिकारी से सवाल पूछने पर वो लोग उलटा-पुलटा जवाब देते है।

सभी झोल का खुलेगा पोल

जोधपुर में युवती जिसे हमसफर बनाने की भूल कर बैठी उसी प्रेमी ने दी खतरनाक व दर्दनाक मौत

मुंबई हलचल / भैरु सिंह राठौड़

राजस्थान। जोधपुर में पति को छोड़कर, पिता को नाराज कर अपने प्रेमी के साथ लिव इन रिलेशनशिप में रह रही एक युवती की दर्दनाक हत्या कर दी गई। पुलिस सुसाइड़ मानती रही, लेकिन जब पोस्टमार्टम रिपोर्ट आई और हत्या का खुलासा हुआ तो पुलिस ने मृतका के लिव इन पार्टनर को हिरासत में लेकर पूछताछ की। उसने हत्या करना कबूल कर लिया। युवती का कुछ समय पहले ही सरकारी नौकरी में चयन हुआ था। हत्या की यह वारदात जोधपुर जिले की हैं और शास्त्री नगर थाना पुलिस पूरे घटनाक्रम की जांच कर रही है। थानाधिकारी जोगेन्द्र सिंह ने बताया कि झालावाड़ में बसेरा मोहल्ला निवासी जीएनएम नर्स सरिता 32 साल गत 7 सितम्बर को मिल्कमैन कॉलोनी गली नंबर 6 में किराए के कमरे में संदिग्ध हालात में मृत मिली थी। वह हरीशचन्द्र सुमन के

साथ लिव इन रिलेशनशिप में रह रही थी। उसकी शादी चार साल पहले वैभव नाम के युवक से हुई थी। यह लव मैरिज थी। लेकिन सरिता और वैभव कुछ समय के बाद अलग हो गए। सात सितंबर को उसकी मौत होने के बाद प्राथमिक जानकारी यह मिली थी कि उसने सुसाइड़ कर लिया। बाद में पता चला कि उसकी ही चुन्नी से उसका गला दबाकर उसे मार दिया गया। पुलिस ने सरिता के पिता प्रेम प्रकाश को जोधपुर बुलाया और उनसे पूछताछ की और बेटी की हालात दिखाई।पिता ने कहा कि वह सुसाइड़ नहीं कर सकती। इस पर उसके लिव इन पार्टनर हरिश को दबोच लिया गया। पुलिस ने बताया कि जीएनएम सरिता का बतौर नर्स चयन हो हुआ था। उम्मेद अस्पताल में तबादला होने से वह 4 जुलाई को जोधपुर आ गई थी और मिल्कमैन कॉलोनी में रहने लगी थी। आरोपी हरीश भी उसके साथ आया था और लिव इन रिलेशनशिप में साथ रहने लग गया था। वह कोई काम नहीं कर रहा था। शराब व सिगरेट पीने की आदत से सरिता उसे मना करती थी। गत 7 सितम्बर को सरिता ड्यूटी के बाद अस्पताल से कमरे पर लौटी तो हरीश नशे में मिला। कमरे में शराब की बदबू आने पर उसने हरीश को उलाहना दिया था। इस पर दोनों में विवाद व झगड़ा हुआ था। तब हरीश ने गला दबाकर सरिता की हत्या कर दी थी। पुलिस ने हरीश को गिरफ्तार करके आवश्यक पूछताछ कर रही हैं। उक्त जानकारी जयपुर के पत्रकार बाबू अंसारी ने राजस्थान संपादक भैरु सिंह राठौड़ को दी हैं।

कानपुर में जलभराव के पक्ष में लापरवाही का परिणाम : पुल में भरे बारिश के पानी में डूबकर युवक की मौत

संवाददाता/सुनील बाजपेई

कानपुर। जलभराव के पक्ष में यहां नगर निगम के अधिकारियों की लगातार जारी लापरवाही पुल में भरे पानी में बारिश के पानी में डूबने से एक युवक की असमय मौत का कारण बन गई। समाचार लिखे जाने तक उसकी शिनाख्त नहीं हो पाई है। पुलिस इसके लिए लगातार प्रयास भी कर रही है। इस महानगर में यह घटना पहली नहीं है। इसके पहले भी जूही खलवा पुल में बारिश के दौरान अक्सर भर जाने वाले लबालब पानी में और भी कई लोगों की डूबकर मौत हो चुकी है। लेकिन जिला प्रशासन यहां ऐसी कोई व्यवस्था नहीं कर पाया जिससे पूर्व में भरने वाले पानी से मिलने वाली निजात लोगों की डूबकर होने वाली मौत से बचा सके। अवगत कराते चलें कि रायपुरवा थाना क्षेत्र के अंतर्गत जूही खलवा पुल हर

वर्षा में भर जाता है, जिससे वाहनों का आवागमन ठप हो जाता है। इसीलिए इस खतरनाक पुल पर जलभराव की समस्या को दूर करने के लिए नगर निगम ने करीब पांच वर्ष पहले संपवेल पंप बनावाया था, जिससे जलभराव की स्थिति होने पर मोटर चालू करा पानी निकाला जा सके, लेकिन पांच सालों में कभी भी ऐसा नहीं हुआ कि वर्षा के दौरान पुल नहीं भरने से आवागमन ठप ना हुआ हो। यही नहीं यहां जलभराव के दौरान अक्सर डीसीएम, लोडर, कार पानी मे फंस जाती है। बीती देर रात भी एक युवक लबालब पुल के पानी में डूब जाने से मौत हो गई। आज सुबह लोगों ने शव देख पार्षद राकेश पासवान को सूचना दी। उन्होंने जानकारी कंट्रोल रूम पर दी। मौके पर रायपुरवा थाना पुलिस पहुंच गई। फिलहाल समाचार लिखे जाने तक युवक की शिनाख्त नहीं हुई है। पुलिस इसके लिए लगातार प्रयास कर रही है।

लखनऊ में दीवार गिरने से नौ लोगों की मौत, उन्नाव में भी गई तीन की जान

लखनऊ। भारी बारिश से लखनऊ के कैंट के दिलकुशां कॉलोनी में शुक्रवार को बड़ा हादसा हो गया। दिलकुशा कालोनी में निमार्णाधीन दीवार गिरने से उसके नीचे दबकर नौ लोगों की मौत हो गई और दो लोग घायल हो गए। मृतकों में दो बच्चे भी हैं। इसी तरह उन्नाव जिले में असोहा थाना क्षेत्र के कांथा मे कच्चा मकान गिरने से दो भाइयों और एक बहन सहित तीन की मौत हो गई। लखनऊ में अधिकारी मौके पर पहुंच गए। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ व रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने घटना पर दुख जताते हुए मृतकों के परिजनों के लिए मुआवजे का एलान कर दिया है। मुख्यमंत्री योगी ने हादसे में हुई जनहानि पर गहरा दुःख व्यक्त किया है। उन्होंने शोक संतप्त परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त की है। उन्होंने अफसरों को घायलों को उचित इलाज मुहैया कराने का निर्देश दिया है। दिलकुशा कॉलोनी में पुरानी दीवार का निर्माण कार्य चल रहा था जिसके लिए मजदूर रुके हुए थे।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

10 दिनों में पतले आईब्रो भी होंगे मोटे, इस्तेमाल करें ये तेल

आंख चेहरे का सबसे ज्यादा खूबसूरत हिस्सा है। इनकी खूबसूरती को और भी बढा देते हैं आईब्रो। जिस तरह हर किसी के चेहरे की शेप अलग-अलग तरीके की होती है उसी तरह आईब्रो शेप में भी बहुत फर्क होता है। पतले की अपेक्षा मोटे और घने आईब्रो चेहरे को ज्यादा आकर्षित बना देते हैं लेकिन कुछ लड़कियों के आईब्रो पतले होते हैं, जिसके लिए उन्हें पैंसिल का इस्तेमाल करना पड़ता है। आज हम आपको कुछ आसान घरेलू नुस्खों के बारे में बता रहे हैं, जिससे आईब्रो की हेयर ग्रोथ बढ़ने लगेगी।

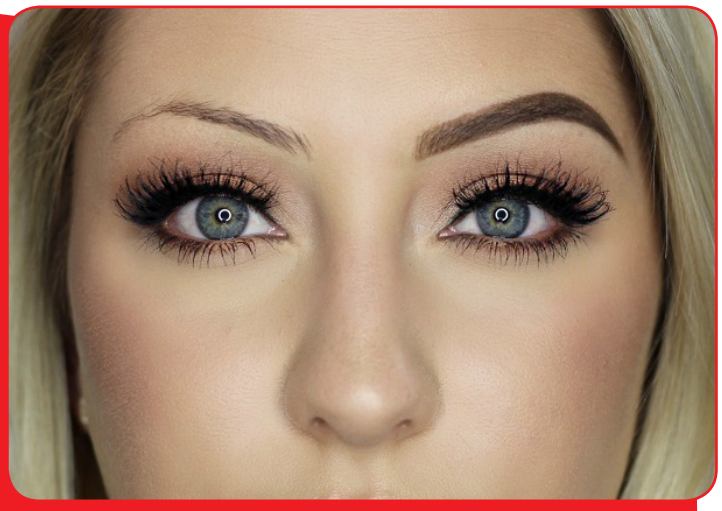

1. कैस्टर ऑयल

कैस्टर ऑयल कम खर्च में हेयर ग्रोथ बढ़ाने का सबसे अच्छा तरीका है। कैस्टर आयल की दो बूंदे लेकर अंगुलियों के आईब्रो की 2-3 मिनट मसाज करें। इसके 30 मिनट बाद गुनगुने पानी से चेहरा धो लें। इस बात का ध्यान रखें कि यह तेल अगर किसी तरह की जलन करे तो इसका इस्तेमाल करना बंद कर दें।

2. दूध

प्रोटिन और विटामिन से भरपूर दूध बालों को पोषण देने में भी लाभकारी है। रात को सोने के पहले कॉटन बॉल पर थोड़ा सा दूध लगाकर आईब्रो पर लगाएं। इससे बहुत फायदा मिलेगा।

3. नारियल का तेल

रोजाना रात को सोने से पहले आईब्रो पर नारियल का तेल लगाएं। इससे स्किन भी ग्लोइंग और मुलायम बनेगी। आंखों के आसपास झुर्रिया भी नहीं पड़ेगी।

4. एलोवीरा जूस

हेयर ग्रोथ के लिए एलोवीरा जैल भी बहुत फायदेमंद है। इससे बालों को न्यूट्रिशियंस भी मिलता है। एलोवीरा जैल आईब्रो हेयर पर लगाने से कुछ ही दिनों में बाल घने होने लगते हैं।

छूट जाएगी चैटिंग की लत बस करें ये काम

आजकल के मॉडर्न जमाने में टेक्नोलॉजी लोगों पर अपना अच्छा खासा असर दिखा रही है। हर कोई चाहता है कि उसके पास बढ़िया मोबाइल, लैपटॉप,कंप्यूटर,ई डायरी के अलावा लेटेस्ट टेक्नोलॉजी हो। भले ही आजकल लोगों के पास समय की कमी है, परिवार या दोस्तों से मिलने या फिर बात करने का समय नहीं है लेकिन मोबाइल पर चैटिंग करने में कुछ लोग दिन में 15-16 घंटे तो बिता ही लेते हैं। जिसका असर उनकी सेहत पर भी पड़ रहा है। जैसे मानसिक रूप से थकान,डिप्रैशन, सर्वाइकल,डिप्रैशन के अलावा और भी बहुत से रोग देखने को मिल रहे हैं। आप भी अपनी इस लत से परेशान हैं तो कुछ टिप्स अपना कर इससे छुटकारा पा सकते हैं। आइए जानें किस तरह से निकले आनलाइन चैटिंग एडिक्शन से बाहर।

चैटिंग नहीं मिलें फेस टू फेस

चैटिंग का मतलब है कि आप अपने दूर के दोस्तों के साथ भी जुड़े हुए हैं लेकिन लोग तो अपने पास बैठे लोगों से भी जब चैटिंग के जरिए बात करनी शुरू कर देते हैं तो यह परेशानी की बात है। कोशिश करें कि कभी-कभार फेस टू फेस भी दूसरों के बातचीत करें। आप इससे आसानी से दूसरों को अपने मन की बात बता सकेंगे। धीरे-धीरे चैटिंग की लत भी छूट जाएगी।

नियम से आफलाइन रहें

अपनी लाइफ में यह नियम बनाएं कि दिन में कम से कम 2 घंटे तक अपनी मोबाइल ऑफ रखें। ऐसा बैटरी खत्म होने पर नहीं बल्कि आदत बना कर ही स्विच ऑफ करें। धीरे-धीरे समय को बढ़ाते जाएं।

शारीरिक दिक्कतें होना

मोबाइल या इंटरनेट का ज्यादा इस्तेमाल करने वाली महिलाएं जो चैटिंग की लत का शिकार हैं वह सेहत से जुड़ी परेशानियों से गुजर रही हैं। जैसे हड्डियों और जोड़ों में दर्द, आंखों की परेशानियां,थकावट आदि। इसका कारण है घंटों एक ही पॉजीशन में बैठे रहना। एक्सरसाइज न करना इससे धीरे-धीरे हड्डियां कमजोर होनी शुरू हो जाती हैं। शारीरिक फिटनेस के लिए घर से बाहर सैर करने जाएं कोशिश करें कि मोबाइल घर पर ही छोड़ दें।

परिवार को दें पूरी समय

मोबाइल से कुछ देर दूरी बना कर परिवार के साथ समय बिताएं। उनके साथ बाहर घूमने जाएं, शॉपिंग करें, अपनी परेशानियां, दिक्कतें और छोटी-छोटी खुशियां चैटिंग नहीं बल्कि पारिवारिक सदस्यों के साथ बांटें।

हर छोटी-मोटी परेशानियां का हल हैं ये मसाले, ऐसे करें इस्तेमाल

भारतीय रसोई का मसालों से गहरा नाता हैं या यूं कहिए कि यह भारती रसोई का अभिन्न अंग है। इनके बिना खाने का स्वाद अधूरा रहता है, साथ ही में सेहत के नजरिए से भी यह काफी फायदेमंद होते हैं। सर्दियों में इनकी डिमांड बढ़ जाती है क्योंकि इसमें पाए जाने वाले औषधीय गुण ठंड में शरीर को गर्म रखते हैं और कई तरह की गंभीर बीमारियों से सुरक्षा प्रदान करते हैं। सौंफ-अजवाइन हो या काली मिर्च-लौंग, यह छोटे-छोटे मसाले इतने कमाल के हैं कि आपको लंबी उम्र तक हैल्दी और फिट रखने के लिए काफी हैं। हर मसाले की अपनी अलग ही खासियत हैं लेकिन यह आपको फायदा तभी पहुंचाएंगे जब आप इन्हें उचित समय और सही मात्रा में लेंगे।

1. अजवाइन

अजवाइन का इस्तेमाल लगभग हर रसोई में होता है। अजवाइन के छोटे-छोटे दाने पेट संबंधी दिक्कतों को दूर रखते है। अगर आपको अपच की समस्या रहती हैं तो आपको खाने के 5 से 10 मिनट बाद थोड़ी सी अजवाइन गर्म पानी के साथ लेनी चाहिए। इसके अलावा यह पेट के मरोड़, अफारे को ठीक करती हैं। इससे पेट के कीड़े नष्ट होते हैं

2. हल्दी

हल्दी के बिना सब्जी और करी में रंग नहीं आता लेकिन इसके अलावा भी इसके गुण कम नहीं है। विटामिन ए, प्रोटीन व काबोर्हाइड्रेट जैसे कई खनिज तत्वों से भरपूर हल्दी में जमे कोलेस्ट्रोल को घोलने की शक्ति होती है। इसमें एंटीसेप्टिक , एंटी बायोटिक और एंटी एलर्जिक गुण होते है जो सर्दी खांसी को दूर रखने में मददगार साबित होते हैं। हल्दी खून पतला और साफ करने का काम भी करती हैं। शरीर में किसी तरह के दर्द, बाहरी व अंदरूनी चोट, फ्रेक्चर में हल्दी बेहद कारगर साबित होती हैं। हल्दी मिला दूध सबसे फायदेमंद होता है।

3. जीरा

सब्जी में लगा जीरे का छौंका उसके स्वाद को दोगुना कर देता है। यह खाना पचाने में सहायक होता हैं और एसिडिटी और गैस की परेशानी को दूर रखता

है। छाछ में भूना जीरा डालकर पीने से दस्त ठीक हो जाते हैं।

4. सौंठ

सौंठ अदरक का ही रूप हैं बस जब यह गीली होती हैं तो अदरक और सूखने पर सौंठ कहलाती हैं। इसकी तासीर काफी गर्म होती हैं। जिन्हें गठिया या जोड़ों के दर्द की परेशानी रहती हैं उन्हें सौंठ का सेवन करना चाहिए।अदरक की चाय से सर्दी, जुकाम, खांसी, सिरदर्द ठीक से राहत मिलती हैं।

5. लौंग

लौंग के एंटीसेप्टिक गुण संक्रमण को दूर रखते हैं। इसकी चाय पीने से आपका ठंड से तो बचाव रहता ही हैं, साथ ही में भूख भी बढ़ती हैं। सांसों की दुर्गंध दूर करने के लिए आप लौंग बेहद लाभदायक होते हैं। इससे पाचन शक्ति बढ़ती हैं। दांत के जिद्दी दर्द में भी यह बहुत काम आते हैं।

6. इलायची

इलायची दो तरह की होती हैं एक छोटी यानी हरी इलायची और बड़ी यानी काली इलायची। काली इलायची का इस्तेमाल ज्यादातर सर्दियों में ही किया जाता है क्योंकि यह तासीर में गर्म होती हैं। हरी इलायची वाला दूध पाचन क्रिया ठीक रखता हैं इससे तनाव,एसिडिटी दूर होती है। इसके अलावा सांसों में बदबू दूर होती है।

7. काली मिर्च

खाने में काली मिर्च का अलग ही स्वाद आता है। सर्दी-जुकाम और खांसी से बचाव के साथ मलेरिया व वायरल बुखार में भी फायदा पहुंचाती हैं काली मिर्च। यूरिक एसिड के मरीजों के लिए काली मिर्च खाना फायदेमंद होता है।

8. हींग

तासीर से गर्म हींग पित्त प्रधान होती है। गर्भवती को इसका सेवन नहीं करना चाहिए। हींग पेट की गैस को दूर करती है। इसे गुड़ के साथ खाने से पेट के कीड़े नष्ट होते हैं

9. मेथी दाना

मेथी से विटामिन ए , केल्शियम , आयरन , पोटैशियम तथा बी कॉम्प्लेक्स मिलता है। यह मधुमेह, जोड़ों के दर्द आदि से बचाव करती है। बालों के लिए इसे बहुत अच्छा माना जाता है।

10. दालचीनी

सदियो से आयुर्वेद में इसे औषधीए रूप से इस्तेमाल किया जा रहा है। इसमें कैल्शियम, मैगनीज व आयरन भरपूर होता है।

- वजन घटाने में बेहद कारगर
- एसिडिटी में फायदेमंद
- कैंसर से बचाव
- सर्दी खांसी से राहत

11. राई

राई शरीर में गैस नहीं बनने देती और पाचन को सही रखती हैं। इसे अगर आप छाछ के साथ छोंक लगाकर पीए तो दस्त की परेशानी ठीक होती हैं।

12. धनिया

धनिए की तासीर ठंडी होती है। ये एसिडिटी , पेट की गर्मी, पेशाब की जलन, शरीर की जलन आदि को दूर रखती है। बवासीर के मरीजों को इसका सेवन करने से आराम मिलता है।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

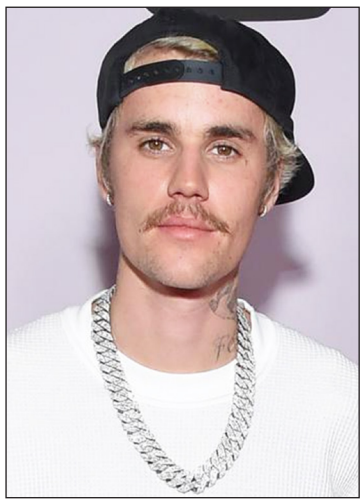

जस्टिन बीबर ने भारत में अपना शो रद्द किया

मशहूर पॉप गायक जस्टिन बीबर ने स्वास्थ्य कारणों के चलते अपने 'जस्टिस वर्ल्ड टूर' के तहत भारत में होने वाले शो को रद्द कर दिया है। कार्यक्रम के प्रमोटर 'बुक माई शो' ने यह जानकारी दी। बीबर (28) ने करीब तीन महीने पहले कहा था कि वह 'रामसे हंट सिंड्रोम' नामक बीमारी से जुझ रहे हैं, जिसके चलते उन्हें चेहरे पर आंशिक रूप से लकवे का असर हो गया। ग्रैमी पुरस्कार विजेता बीबर 18 अक्टूबर को दिल्ली में शो करने वाले थे। 'बुक माई शो' के एक प्रवक्ता ने कहा कि वे संगीत कार्यक्रम के रद्द होने से 'बेहद निराश' हैं।

तेजस्वी प्रकाश का छलका दर्द

टीवी एक्ट्रेस तेजस्वी प्रकाश बिग बॉस जैसे शो में जीत हासिल कर चुकी है। साथ ही उनकी खूबसूरती पर फैंस के साथ- साथ इंडस्ट्री के कई हैंडसम मुंडे फिदा है। लेकिन एक वक़्त वो भी था जब तेजस्वी को अपने लुक्स की वजह से लोगो के ताने सुनने पड़ते थे। लोग तेजस्वी प्रकाश का मजाक बनाया करते थे। जी हां, एक वक्त पर बॉडी शेमिंग का शिकार हो चुकीं तेजस्वी प्रकाश ने बताया कि स्कूल के दिनों में वो बहुत पतली- दुबली थीं। इसी वजह से लोग उनका मजाक उड़ाते थे। तेजस्वी प्रकाश ने बताया कि लोग उनसे कहते थे कि 5 रुपये जेब में रखा करो, वरना उड़ जाओगी। तेजस्वी प्रकाश ने कहा कि लोग मजाक में उन्हें हैंगर कहा करते थे। एक इंटरव्यू के दौरान तेजस्वी प्रकाश ने कहा कि प्लेग्राउंड में बच्चे उनका खूब मजाक बनाते थे। वही, प्रोफेशनल लाइफ में तो तेजस्वी का करियर अच्छा चल ही रहा है। इसके अलावा पर्सनल लाइफ की बात करें तो एक्ट्रेस करण कुंद्रा संग रिलेशनशिप को लेकर भी खूब सुर्खियां बटोरती हैं। हाल ही में अपनी डायमंड रिंग फ्लॉन्ट करने को लेकर एक्ट्रेस सुर्खियों में रही थी। बता दें कि तेजस्वी प्रकाश और करण कुंद्रा की शादी का फैंस को बेसब्री से इंतजार है। दोनों की मुलाकात रिएलिटी शो बिग बॉस सीजन 15 के दौरान हुई थी। इसी शो के दौरान दोनों प्यार में पड़ गए और इसी शो में दोनों के घरवालों ने रिश्ते पर मुहर भी लगा दी। बिग बॉस की ये जोड़ी आज भी सुपरहिट है और फैंस दोनों के दीवाने हैं।

पंकज त्रिपाठी ने शहनाज गिल को कहा 'थैंक्स'

पंकज त्रिपाठी आज किसी भी पहचान की मोहताज नहीं है। एक्टर ने अपने एक्टिंग की बदौलत बॉलीवुड के साथ- साथ फैंस के दिलों में भी एक अलग जगह बना ली है। गैंग्स ऑफ वासेपुर हो या मिर्जापुर एक्टर ने अपने हर एक रोल को 100% दिया है। यही वजह है कि फैंस के दिलों-दिमाग में एक्टर का रोल और डायलॉग छाया रहता है। वैसे तो पंकज त्रिपाठी की तारीफ बॉलीवुड के दिग्गज एक्टर्स भी करते हैं। लेकिन हाल ही में पंकज ने चुलबुली एक्ट्रेस शहनाज गिल को लेकर बात की है। इसके साथ ही पंकज ने दिवंगत एक्टर सिद्धार्थ शुक्ला के साथ अपनी कुछ यादों को भी ताजा किया है। पंकज त्रिपाठी इन दिनों अपनी वेब सीरीज क्रिमिनल जस्टिस को लेकर खूब सुर्खियों में है। पंकज के किरदार की जमकर तारीफ हो रही है। वहीं, एक मीडिया हाउस को दिए इंटरव्यू में एक्टर ने शहनाज गिल की तारीफ की है। पंकज ने शहनाज के साथ-साथ सिद्धार्थ शुक्ला के बारे में भी बात की। एक्टर ने दोनों की तारीफ करते हुए धन्वाद भी कहा।